hindustantimes.com
LUCKNOW/METRO
Wednesday, May 27, 2026

Hindustan Times
FIRST VOICE. LAST WORD.



# Expert in TB, pulmonary medicines, Dr R Prasad conferred Padma Shri

**HT Correspondent**
letters@htlive.com

**LUCKNOW:** Rajendra Prasad, a noted expert in pulmonary medicine and tuberculosis, was conferred the prestigious Padma Shri award by President Droupadi Murmu at Ganatantra Mandap in Rashtrapati Bhavan, New Delhi, on May 25 for his distinguished contribution to the field of medicine.

Currently serving as Emeritus Professor at the National Academy of Medical Sciences and director, Medical Education at Era University, Prof Prasad has played a major role in strengthening tuberculosis care and respiratory medicine in India.

**Dr Rajendra Prasad receiving the award from President Droupadi Murmu.** SOURCED

He has also served as former director of Vallabhbhai Patel Chest Institute and former head of the pulmonary medicine department at King George's Medical University.

Known as the "Bhisham Pitamah" of tuberculosis and pulmonary medicine, Prof Prasad was instrumental in integrating nearly 700 medical colleges with the National Tuberculosis Elimination Programme.

He also helped establish one of India's first DOTS centres in medical college campus at King George's Medical University. Over a career spanning five decades, he has supervised more than 200 research projects, published around 600 scientific papers and authored 17 books on respiratory diseases and tuberculosis, stated a press release shared with the media on Tuesday.

इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, बुधवार, 27 मई 2026
वर्ष 18 अंक 265 मूल्य 4-00 रूपया पृष्ठ-12

जब तक आपका शरीर स्वस्थ्य और नियंत्रण में है और मृत्यु दूर है, अपनी आत्मा को बचाने की कोशिश कीजिये, जब मृत्यु सर पर आ जायेगी तब आप क्या कर पायेंगे?।
-चाणक्य

तापमान - अधिकतम 42.9°C (+2.8) न्यूनतम 28.3°C(+2.8) सेंसेक्स 76,009.70 (-479.26) निफ्टी 23,913.70 (-118.00) सोना 1,59,040 चांदी 2,85,000 मुद्रा - डालर 95.68 दिरहम 26.05 रियाल 25.51



# गांव से निकलकर देश के शीर्ष सम्मान तक पहुंचे प्रो. राजेंद्र प्रसाद

**लखनऊ (सं)।** उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गांव से निकलकर देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म श्री तक का सफर तय करने वाले प्रो. राजेन्द्र प्रसाद की कहानी संघर्ष, समर्पण और सेवा की मिसाल बन गई है। वर्षों तक टीबी और फेफड़ों की गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए उम्मीद बने प्रो. प्रसाद को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्हें यह सम्मान चिकित्सा क्षेत्र, खासकर पल्मोनरी मेडिसिन और टीबी नियंत्रण में उनके असाधारण योगदान के लिए दिया गया।

एरा यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने अपनी पूरी चिकित्सा शिक्षा की

## चिकित्सा सेवा को बनाया जीवन का मिशन

पढ़ाई केजीएमयू से की। वह शुरुआती दौर से ही क्षय रोग यानी टीबी के मरीजों की सेवा को अपना मिशन बना लिया। वर्ष 1976 में उन्होंने टीबी विभाग से जुड़कर काम शुरू किया और आगे चलकर देश में पल्मोनरी मेडिसिन को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने जापान से फेफड़ों की बीमारियों और ब्रोंकोस्कोपी में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। बाद में वल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट और उत्तर प्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइसेंस जैसे संस्थानों में नेतृत्व करते हुए चिकित्सा शिक्षा और शोध को नई दिशा दी। प्रो. प्रसाद ने टीबी, अस्थमा, सीओपीडी और फेफड़ों के कैंसर जैसे रोगों पर व्यापक शोध किया। उन्होंने देशभर के मेडिकल कॉलेजों को राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन में सैकड़ों शोध कार्य पूरे हुए और हजारों डॉक्टरों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्तमान में वे एरा विश्वविद्यालय में चिकित्सा शिक्षा निदेशक और श्वसन रोग विशेषज्ञ के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। चिकित्सा जगत में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें पहले भी कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं, लेकिन पद्म श्री को उनके दशकों लंबे सेवा सफर की सबसे बड़ी पहचान माना जा रहा है।